

यूपीआईटीएस नए भारत में नए उत्तर प्रदेश के विजन को दर्शाता है: नन्द गोपाल गुप्ता 'नंदी'

ग्रेटर नोएडा, 27 सितंबर: उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस) का चौथा संस्करण निर्यातकों, निर्माताओं, अंतरराष्ट्रीय खरीदारों और कारोबारी प्रतिनिधिमंडलों को एक मंच पर लाकर उत्तर प्रदेश के वैश्विक बाजारों से जुड़ाव को मजबूत कर रहा है। यूपीआईटीएस-2026 में माननीय औद्योगिक विकास मंत्री श्री नन्द गोपाल गुप्ता 'नंदी' ने कहा कि भारत के मुक्त व्यापार समझौते (FTA) प्रदेश के निर्यातकों के लिए नए अंतरराष्ट्रीय बाजारों के द्वार खोल रहे हैं।

यूपीआईटीएस-प्रदेश की क्षमताओं को वैश्विक अवसरों से जोड़ रहा

यूपीआईटीएस-2026 के तीसरे दिन 'लीवरेजिंग इंडियाज फ्री ट्रेड एग्रीमेंट्स फॉर ग्लोबल बिजनेस ग्रोथ' विषय पर आयोजित विशेष बिजनेस सत्र को संबोधित करते हुए मंत्री नंदी ने केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल का स्वागत किया, जो सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने उत्तर प्रदेश के औद्योगिक इकोसिस्टम, बुनियादी ढांचे, नीतियों तथा व्यापार एवं निवेश की बढ़ती संभावनाओं पर प्रकाश डाला।

नंदी ने कहा कि यूपीआईटीएस "नए भारत में नए उत्तर प्रदेश" के परिवर्तन को दर्शाता है। वर्ष 2023 में शुरू हुआ यह ट्रेड शो अब एक अंतरराष्ट्रीय कारोबारी मंच के रूप में विकसित हो चुका है। इसके चौथे संस्करण में विदेशी खरीदारों, प्रदर्शकों और विभिन्न देशों की भागीदारी उत्तर प्रदेश की बढ़ती वैश्विक व्यापार पहुंच को दर्शाती है।

FTA से यूपी के निर्यातकों और MSME को नए बाजारों तक पहुंच

मंत्री ने कहा कि भारत के FTA और विभिन्न देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते निर्यातकों को व्यापक अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच प्रदान कर रहे हैं। इससे उत्तर प्रदेश के उद्यमियों को अपने निर्यात का विस्तार करने और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं से जुड़ने के अवसर मिल रहे हैं। उन्होंने प्रदेश के 1 करोड़ से अधिक एमएसएमई, मजबूत बुनियादी ढांचे, बेहतर कनेक्टिविटी और बड़ी युवा प्रतिभा शक्ति को इस विस्तार की प्रमुख ताकत बताया।

उन्होंने कहा कि यूपीआईटीएस के माध्यम से ओडीओपी, हस्तशिल्प, कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण, टेक्सटाइल, लेदर और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों के उत्पादों को वैश्विक खरीदारों से सीधे जुड़ने का अवसर मिल रहा है। जापान, वियतनाम, सिंगापुर, रूस, ऑस्ट्रिया और बेलारूस जैसे देशों की भागीदारी ट्रेड शो की बढ़ती अंतरराष्ट्रीय पहुंच को दर्शाती है।

नंदी ने कहा कि स्थानीय निर्माताओं, कारीगरों और उद्यमियों को वैश्विक बाजारों से मजबूत रूप से जोड़ना विकसित भारत के विजन को गति देगा। यूपीआईटीएस निर्यातकों को अपनी क्षमताएं प्रदर्शित करने, अंतरराष्ट्रीय साझेदारियां विकसित करने और नए बाजार तलाशने के अवसर उपलब्ध करा रहा है।

इस अवसर पर एमएसएमई मंत्री श्री भूपेंद्र चौधरी, राज्यमंत्री एमएसएमई श्री हंसराज विश्वकर्मा, प्रमुख सचिव एमएसएमई श्री शशि भूषण लाल सुशील, आयुक्त उद्योग श्री के. विजयेंद्र पांडियन और विशेष सचिव एमएसएमई श्री शिशिर भी उपस्थित रहे।